विशेषयति सायकैः; MR. 19.4.: किन् त्वम् पदैर् मम पदानि विशेषयन्ती व्याली 'व यासि पतगेन्द्रभयाभिभूता; 117. 9.: मदनम् अपि गुणैर् विशेषयन्ती·

c. वि praef. प्रति प्रतिविशिष्ट insignitus, egregius, praestantissimus. *C. abl.* praestantior. MAH. 1.4684.

3. शिष् 10. *P. v.* 2. शिष् *Caus.*

4. शिष् v. शास्·

शिष्ट v. शिष् et शास्·

शिष्य (r. शास् s. य) *Part. fut. pass. r.* शास्· *Subst. m.* discipulus.

शी 2. *A.* (anom. v. gr. 348. 496. 572.) 1) jacere. MAH. 4. 826.: पश्चाधिकं शतन् तच्च निहतन् तत्र भारत। महावनम् इव छिन्नं शिश्ये; R. Schl. II. 9.18.: शेष्वा 'नन्तर्हितायान् त्वम् भूमौ; N. 12. 27.: शयानम् उपविष्टं वा स्थितं वा; 14.3.: ददर्श नागराजानं शयानङ् कुण्डलीकृतम्· *Etiam P.* MAH. 5. 63.: निहता वा मया सर्वे शेष्यन्ति वसुधातले· *Etiam cl.* 1. *P.* MAH. 3.1215.: शयेत्· 2) dormire. H. 1.34.: से 'यम् भूमौ परिश्रान्ता शेते; 1.36.37.; 2.11.: गच्छ जानीहि के न्व् एते शेरते वनम् आश्रिताः; 17.: ददर्श ... पाण्डवान् पृथया सह शयानान् भीमसेनन् तु जाग्रतम्· — शयित jacens, dormiens. MAH. 1. 2949. — *Caus.* शाययामि pono. R. Schl. II. 66. 16.: तैलद्रोण्यान् तु सचिवैः शायितन् नराधिपम्· (Gr. κεῖμαι, κεῖσαι = शेषे, κεῖται = शेते, κοί-τη, κῶ-μα, κώ-μη; lat. *quies, quiesco*; goth. *hê-thjô* cubiculum, *hei-wa* domus in comp. *heiva-frauja*; island. vet. *hei-mr* domus; german. vet. *hai-m, hei-m*; angl. *home*, v. Graff III. 944. et 705.; germ. vet. *hi-wo* conjux, maritus, *hi-wa* uxor, *hijan, hiwjan* nubere, Graff III. 1063. (cf. gr. ἄκοιτις, ἀκοίτης), *hî-rât* connubium, nostrum *Heirath*; lith. *szê-tra* tugurium, *kiê-ma* vicus.)

c. अति 1) dormiendo aliquem superare, antecellere, plus quam alius dormire, *c. acc.* MAH. 3. 14686.: अहम् पतीन् ना 'तिशये ना 'त्यश्ने ना 'तिभूषये· 2) superare *in universum.* RAGH. 5. 14.: पूर्वान् महाभाग तया 'तिशेषे; BHATT. 8.1.: अत्यशेरत तद्वेगान् न सुपर्णार्कमारुताः·

c. अधि 1) incubare, *c. acc. loci.* R. Schl. II. 88. 12.: ईदृशीं राघवः शय्याम् अधिशेते· 2) indormire, *c. acc. loci.* RAGH. 5. 28.: अधिशिश्ये ... प्रदोषे रथं रघुः·

c. प्रति exadversum cubare *vel* dormire. MAH. 3. 16300.: प्रतिशिश्ये जलनिधिन् विधिवत् कुशसंस्तरे· *Etiam P.* MAH. 3. 16398.: प्रतिशेष्यामि·

c. सम् dubitare. HIT. 116. 2.: न हि संशयितुङ् कुर्यात् (nisi legendum संशयितम्). *Vid.* संशय, संशयित·

1. शीक् 1. *A.* (सेचने *K.* सेके सर्पे *V.*) humectare, irrigare, ire. *Vid.* सीक्, सेक् et cf. सिच्·

2. शीक् 1. et 10. *P.* (आमर्षे *K.* आमर्शे सेके *V.*) tolerare, perferre, tangere, irrigare. *Vid.* 2. सीक् et cf. शुक्·

शीकर *m.* (r. शीक् s. अर) pluvia tenuis. AM. — करशीकर aqua quae elephanti proboscide continetur. *Etiam omisso* कर *id.* RITU-S. 1.15.: उद्गतशीकराम्भसो दन्तिनः·

शीघ्र celer, velox. N. 15. 6. शीघ्रम् *Adv.* cito, celeriter. H. 4.58.

शीत (ut videtur, a r. श्यै q. v. suff. part. pass. त, cf. शिशिर) 1) frigidus. BH. 2.14. 2) *n.* frigus. HIT. 80. 16.

शीतता *f.* (a शीत frigidus s. ता) frigus. HIT. 31. 5.

शीतल (a शीत s. ल) frigidus. N. 13. 4.

शीत्कार *m.* (e शीत् et कार faciens, vid. चीत्कार) voluptatem exprimens murmuratio. UR. 68. 2.

शीभ् 1. *A.* (कत्थने) gloriari.

शीर्ण v. शॄ·

शीर्ष *n.* caput. N. 5. 5. *Cf.* शिरस्·

1. शील् 1. *P.* (समाधौ) meditari.

2. शील् 10. *P.* 1) ire, adire, visitare (cf. शेल्, सेल्). GITA-GOV. 7. 4.: निशि गहनम् अपि शीलितम्· 2) induere. *l. c.* 5.11.: शीलय नीलनिचोलम्· 3) colere, venerari. MAH. 1. 3207.: स शीलयन् देवयानीङ् कन्यां सम्प्राप्तयौवनाम्· 4) facere, parare. GITA-GOV. 9.6.: नलिनिदलशीलितशयने (schol. शीलित = कृत)